मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
मंत्रालय–भोपाल

क्रमांक 1-19-18 / 17 / मेडि–1 / 2018 / भोपाल, दिनांक 13 .02.2018

प्रति,

डॉ. सौरभ जयंत
चिकित्सा अधिकारी
जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.)

विषयः– कर्तव्य स्थल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी के विरूद्ध विभागीय जांच– डॉ. सौरभ जयंत, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.) ।

–00–

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता हैं कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम–1966 के अन्तर्गत आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव है। जिसका उल्लेख संलग्न आरोप–पत्र में दिया गया है। अभिकथन जिस पर आरोप आधारित हैं, उसका विवरण संलग्न अभिकथन पत्र में दिया गया है। आरोप पत्र, अभिकथन पत्र की प्रति संलग्न है। एक प्रति कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है ।

2. आपसे इस सूचना के द्वारा यह अपेक्षा की जाती हैं कि आप इस पत्र के मिलने के 15 दिवस के अंदर अपना प्रतिवाद उत्तर अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजते हुए बतायें कि :–

(अ) क्या आप व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर चाहते हैं ?

(ब) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किसी गवाह आदि का नाम देना चाहते हैं तो उन गवाहों की सूची पूर्ण पते सहित भेजें।

(स) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किन्हीं अभिलेखों को प्रस्तुत करना चाहते हैं तो उन अभिलेखों की सूची विस्तृत जानकारी के साथ प्रस्तुत करें।

(द) यदि आप आरोप–पत्र आदि के साथ संलग्न अभिलेखों की सूची में दर्शित अभिलेखों को देखना चाहते हैं तो आप किसी भी कार्य दिवस में देखें। यह कार्य पत्र के प्राप्त होने के 10 दिवस के अंदर समाप्त कर दिया जाये ।

3. आपको यह भी सूचित किया जाता हैं कि यदि आपके बचाव पक्ष का लिखित प्रतिवाद उत्तर नियत समयावधि अर्थात् 15 दिवस में प्राप्त नहीं होता है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

संलग्न :— आरोप—पत्र, अभिकथन पत्र,
अभिलेखों की सूची ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

पृ. क्रमांक एफ-19-18/18/मेडि—1/2018/ भोपाल, दिनांक 17.02.2018

प्रतिलिपिः—

(1) सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 के अनुपालन में प्रेषित कर अनुरोध है कि डॉ. सौरभ जयंत, चिकित्सा अधिकारी को उनके अंतिम पदस्थापना स्थल अथवा सेवा अभिलेख में उपलब्ध निवास के पते पर तामील करायें। यदि पत्र की व्यक्तिगत तामिली संभव न हो सके तो इसे अंतिम पदस्थापना स्थल या स्थाई निवास स्थल पर चस्पा कर तामिली करायें तथा तामिली प्रतिवेदन संलग्न पत्रक अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: आरोप–पत्र ::

डॉ. सौरभ जयंत, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) के अंतर्गत निम्न आरोप अधिरोपित किए जाते हैं :–

आरोप कमांक –1

यह कि आप डॉ. सौरभ जयंत, दिनांक 28.04.2015 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप कमांक –2

यह कि आप अपने पदस्थापना स्थल पर नियमित एवं निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते हैं।

आरोप कमांक –3

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं ।

इस प्रकार आप अपने पदीय दायित्वों का उचित प्रकार निर्वहन न कर मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा नियम 7 का उल्लंघन कर अपने कार्य के प्रति कर्तव्य परायण एवं संनिष्ठ नहीं रहते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बन गये हैं ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिकथन पत्र ::

डॉ. सौरभ जयंत, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) लगाए गए आरोपों के समर्थन में विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

आरोप कमांक 1 के लिये :–

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 अनुसार आप दिनांक 28.04.2015 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हो गये हैं। आपका यह कृत्य शासकीय सेवक के लिए निर्धारित आचरण के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता है।

आरोप कमांक 2 के लिये :–

आपकी पदस्थापना जिला चिकित्सालय, राजगढ में आम जनता को उचित सेवाऐं उपलब्ध कराने के लिये करते हुए आपसे यह अपेक्षा की गई थी कि आप अपने कर्तव्य स्थल पर नियमित एवं समय पर उपस्थित होकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे, परन्तु आप दिनांक 28.04.2015 से निरंतर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप कमांक 3 के लिये :–

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं।

इस प्रकार आपका उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा सहपठित नियम 7 के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता हैं। इस प्रकार आपने उक्त नियमों का पालन न कर अपने कार्य के प्रति संनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण न रहते हुए अपने आपको अनुशासनात्मक कार्यवाही का भागी बना लिया है।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: <u>अभिलेखों की सूची</u> ::

1. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

तामीली प्रतिवेदन

कार्यालय, सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से प्राप्त सूचना पत्र कमांक ..... दिनांक ..... जो लम्बी अवधि से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित डॉ. सौरभ जयंत, चिकित्सा अधिकारी को जारी किया गया है, की प्रति कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई ।

साक्षीगणः

1. ....

..... (कार्या. प्रभारी के हस्ता एवं नाम)

जिला .....

2. .....

तामीली प्रतिवेदन

जिला चिकित्सालय, राजगढ से लम्बी अवधि से अवैधानिक रूप से अनुपस्थित रहने बाबत् सूचना पत्र क्रमांक .... दिनांक..... डॉ. सौरभ जयंत, चिकित्सा अधिकारी के अवासीय पते पर निम्न गवाहों के समक्ष तामील करवाया गया /मकान पर चस्पा किया गया ।

---

1. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

   .....
   (व्यक्तिगत तामीली की दशा में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर)

2. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

   .....
   (व्यक्तिगत तामीली करवाने वाले /चस्पा करने वाले के हस्ताक्षर)

3. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

4. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

5. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षरित

.....

(कार्या. प्रभारी के हस्ताक्षर)

मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
<u>मंत्रालय–भोपाल</u>

क्रमांक एफ-15-15/17/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13 .02.2018

प्रति,

डॉ. प्रियंका चौहान
चिकित्सा अधिकारी
जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.)

विषयः– कर्तव्य स्थल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी के विरूद्ध विभागीय जांच– डॉ. प्रियंका चौहान, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.) ।

–00–

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता हैं कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम–1966 के अन्तर्गत आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव है। जिसका उल्लेख संलग्न आरोप–पत्र में दिया गया है। अभिकथन जिस पर आरोप आधारित हैं, उसका विवरण संलग्न अभिकथन पत्र में दिया गया है। आरोप पत्र, अभिकथन पत्र की प्रति संलग्न है। एक प्रति कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है ।

2. आपसे इस सूचना के द्वारा यह अपेक्षा की जाती हैं कि आप इस पत्र के मिलने के 15 दिवस के अंदर अपना प्रतिवाद उत्तर अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजते हुए बतायें कि :–

(अ) क्या आप व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर चाहती हैं ?

(ब) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किसी गवाह आदि का नाम देना चाहती हैं तो उन गवाहों की सूची पूर्ण पते सहित भेजें।

(स) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किन्हीं अभिलेखों को प्रस्तुत करना चाहती हैं तो उन अभिलेखों की सूची विस्तृत जानकारी के साथ प्रस्तुत करें।

(द) यदि आप आरोप–पत्र आदि के साथ संलग्न अभिलेखों की सूची में दर्शित अभिलेखों को देखना चाहती हैं तो आप किसी भी कार्य दिवस में देखें। यह कार्य पत्र के प्राप्त होने के 10 दिवस के अंदर समाप्त कर दिया जाये ।

3. आपको यह भी सूचित किया जाता हैं कि यदि आपके बचाव पक्ष का लिखित प्रतिवाद उत्तर नियत समयावधि अर्थात् 15 दिवस में प्राप्त नहीं होता है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

संलग्न :– आरोप–पत्र, अभिकथन पत्र,
अभिलेखों की सूची ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

पृ. क्रमांक F-19-14/18/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13.02.2018

प्रतिलिपिः–

(1) सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 7.02.2018 के अनुपालन में प्रेषित कर अनुरोध है कि डॉ. प्रियंका चौहान, चिकित्सा अधिकारी को उनके अंतिम पदस्थापना स्थल अथवा सेवा अभिलेख में उपलब्ध निवास के पते पर तामील करायें। यदि पत्र की व्यक्तिगत तामिली संभव न हो सके तो इसे अंतिम पदस्थापना स्थल या स्थाई निवास स्थल पर चस्पा कर तामिली करायें तथा तामिली प्रतिवेदन संलग्न पत्रक अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: आरोप–पत्र ::

डॉ. प्रियंका चौहान, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) के अंतर्गत निम्न आरोप अधिरोपित किए जाते हैं :–

आरोप कमांक –1

यह कि आप डॉ. प्रियंका चौहान, दिनांक 24.12.2014 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पायी गयी।

आरोप कमांक –2

यह कि आप अपने पदस्थापना स्थल पर नियमित एवं निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होती हैं।

आरोप कमांक –3

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करती हैं ।

इस प्रकार आप अपने पदीय दायित्वों का उचित प्रकार निर्वहन न कर मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा नियम 7 का उल्लंघन कर अपने कार्य के प्रति कर्तव्य परायण एवं संनिष्ठ नहीं रहते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बन गयी हैं ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिकथन पत्र ::

डॉ. प्रियंका चौहान, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) लगाए गए आरोपों के समर्थन में विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

आरोप कमांक 1 के लिये :–

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 7.02.2018 अनुसार आप दिनांक 24.12.2014 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हो गयी हैं। आपका यह कृत्य शासकीय सेवक के लिए निर्धारित आचरण के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता है।

आरोप कमांक 2 के लिये :–

आपकी पदस्थापना जिला चिकित्सालय, राजगढ में आम जनता को उचित सेवाऐं उपलब्ध कराने के लिये करते हुए आपसे यह अपेक्षा की गई थी कि आप अपने कर्तव्य स्थल पर नियमित एवं समय पर उपस्थित होकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करेंगी, परन्तु आप दिनांक 24.12.2014 से निरंतर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पायी गयी।

आरोप कमांक 3 के लिये :–

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करती हैं।

इस प्रकार आपका उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा सहपठित नियम 7 के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता हैं। इस प्रकार आपने उक्त नियमों का पालन न कर अपने कार्य के प्रति संनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण न रहते हुए अपने आपको अनुशासनात्मक कार्यवाही का भागी बना लिया है।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिलेखों की सूची ::

01. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्ताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 7.02.2018

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

तामीली प्रतिवेदन

कार्यालय; सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से प्राप्त सूचना पत्र कमांक ..... दिनांक ..... जो लम्बी अवधि से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित डॉ. प्रियंका चौहान, चिकित्सा अधिकारी को जारी किया गया है, की प्रति कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई ।

साक्षीगणः

1. ....

..... (कार्या. प्रभारी के हस्ता एवं नाम)

जिला .....

2. .....

तामीली प्रतिवेदन

जिला चिकित्सालय राजगढ से लम्बी अवधि से अवैधानिक रूप से अनुपस्थित रहने बाबत् सूचना पत्र क्रमांक .... दिनांक..... डॉ. प्रियंका चौहान, चिकित्सा अधिकारी के अवासीय पते पर निम्न गवाहों के समक्ष तामील करवाया गया /मकान पर चस्पा किया गया ।

---

1. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

.....

(व्यक्तिगत तामीली की दशा में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर)

2. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

.....

(व्यक्तिगत तामीली करवाने वाले /चस्पा करने वाले के हस्ताक्षर)

3. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

4. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

5. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षरित

.....

(कार्या. प्रभारी के हस्ताक्षर)

मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
मंत्रालय–भोपाल

क्रमांक F-19-20 / 18 / मेडि–1 / 2018 / भोपाल, दिनांक 13 .02.2018

प्रति,

डॉ. मिथिलेश मेहर
चिकित्सा अधिकारी
जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.)

विषयः– कर्तव्य स्थल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी के विरूद्ध विभागीय जांच– डॉ. मिथिलेश मेहर, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.) ।

–00–

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता हैं कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम–1966 के अन्तर्गत आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव है। जिसका उल्लेख संलग्न आरोप–पत्र में दिया गया है। अभिकथन जिस पर आरोप आधारित हैं, उसका विवरण संलग्न अभिकथन पत्र में दिया गया है। आरोप पत्र, अभिकथन पत्र की प्रति संलग्न है। एक प्रति कार्यालय के नोटिस बोर्ड़ पर चस्पा की गई है ।

2. आपसे इस सूचना के द्वारा यह अपेक्षा की जाती हैं कि आप इस पत्र के मिलने के 15 दिवस के अंदर अपना प्रतिवाद उत्तर अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजते हुए बतायें कि :–

(अ) क्या आप व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर चाहती हैं ?

(ब) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किसी गवाह आदि का नाम देना चाहती हैं तो उन गवाहों की सूची पूर्ण पते सहित भेजें।

(स) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किन्हीं अभिलेखों को प्रस्तुत करना चाहती हैं तो उन अभिलेखों की सूची विस्तृत जानकारी के साथ प्रस्तुत करें।

(द) यदि आप आरोप–पत्र आदि के साथ संलग्न अभिलेखों की सूची में दर्शित अभिलेखों को देखना चाहती हैं तो आप किसी भी कार्य दिवस में देखें। यह कार्य पत्र के प्राप्त होने के 10 दिवस के अंदर समाप्त कर दिया जाये ।

3. आपको यह भी सूचित किया जाता हैं कि यदि आपके बचाव पक्ष का लिखित प्रतिवाद उत्तर नियत समयावधि अर्थात् 15 दिवस में प्राप्त नहीं होता है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

संलग्न :– आरोप–पत्र, अभिकथन पत्र,
अभिलेखों की सूची ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

पृ. क्रमांक F-19-20/18/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13.02.2018

प्रतिलिपिः–

(1) सिविल सर्जन सह मुख्य अस्ताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 7.02.2018 के अनुपालन में प्रेषित कर अनुरोध है कि डॉ. मिथिलेश मेहर, चिकित्सा अधिकारी को उनके अंतिम पदस्थापना स्थल अथवा सेवा अभिलेख में उपलब्ध निवास के पते पर तामील करायें। यदि पत्र की व्यक्तिगत तामिली संभव न हो सके तो इसे अंतिम पदस्थापना स्थल या स्थाई निवास स्थल पर चस्पा कर तामिली करायें तथा तामिली प्रतिवेदन संलग्न पत्रक अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: आरोप–पत्र ::

डॉ. मिथिलेश मेहर, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) के अंतर्गत निम्न आरोप अधिरोपित किए जाते हैं :–

आरोप क्रमांक –1

यह कि आप डॉ. मिथिलेश मेहर, दिनांक 26.05.2014 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पायी गयी।

आरोप क्रमांक –2

यह कि आप अपने पदस्थापना स्थल पर नियमित एवं निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होती हैं।

आरोप क्रमांक –3

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करती हैं ।

इस प्रकार आप अपने पदीय दायित्वों का उचित प्रकार निर्वहन न कर मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा नियम 7 का उल्लंघन कर अपने कार्य के प्रति कर्तव्य परायण एवं संनिष्ठ नहीं रहते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बन गयी हैं ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिकथन पत्र ::

डॉ. मिथिलेश मेहर, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) लगाए गए आरोपों के समर्थन में विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

आरोप कमांक 1 के लिये :–

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्ताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 7.02.2018 अनुसार आप दिनांक 26.05. 2014 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुनति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हो गयी हैं। आपका यह कृत्य शासकीय सेवक के लिए निर्धारित आचरण के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता है।

आरोप कमांक 2 के लिये :–

आपकी पदस्थापना जिला चिकित्सालय, राजगढ में आम जनता को उचित सेवाऐं उपलब्ध कराने के लिये करते हुए आपसे यह अपेक्षा की गई थी कि आप अपने कर्तव्य स्थल पर नियमित एवं समय पर उपस्थित होकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करेंगी, परन्तु आप दिनांक 26.05.2014 से निरंतर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पायी गयी।

आरोप कमांक 3 के लिये :–

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करती हैं।

इस प्रकार आपका उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा सहपठित नियम 7 के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता हैं। इस प्रकार आपने उक्त नियमों का पालन न कर अपने कार्य के प्रति संनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण न रहते हुए अपने आपको अनुशासनात्मक कार्यवाही का भागी बना लिया है।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: <u>अभिलेखों की सूची</u> ::

01. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 7.02.2018

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

तामीली प्रतिवेदन

कार्यालय, सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से प्राप्त सूचना पत्र कमांक ..... दिनांक ..... जो लम्बी अवधि से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित डॉ. मिथिलेश मेहर, चिकित्सा अधिकारी को जारी किया गया है, की प्रति कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई ।

साक्षीगणः

1. ....

..... (कार्या. प्रभारी के हस्ता एवं नाम)

जिला .....

2. .....

तामीली प्रतिवेदन

जिला चिकित्सालय राजगढ से लम्बी अवधि से अवैधानिक रूप से अनुपस्थित रहने बाबत् सूचना पत्र क्रमांक .... दिनांक.......................... डॉ. मिथिलेश मेहर, चिकित्सा अधिकारी के अवासीय पते पर निम्न गवाहों के समक्ष तामील करवाया गया /मकान पर चस्पा किया गया ।

---

1. ....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

....

(व्यक्तिगत तामीली की दशा में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर)

2. ....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

....

(व्यक्तिगत तामीली करवाने वाले /चस्पा करने वाले के हस्ताक्षर)

3. ....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

4. ....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

5. ....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षरित

....

(कार्या. प्रभारी के हस्ताक्षर)

मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
मंत्रालय–भोपाल

क्रमांक एफ-19-21/18/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13.02.2018

प्रति,

डॉ. मनीष भरथरे
चिकित्सा अधिकारी
जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.)

विषयः– कर्तव्य स्थल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी के विरूद्ध विभागीय जांच– डॉ. मनीष भरथरे, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.) ।

–00–

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता हैं कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम–1966 के अन्तर्गत आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव है। जिसका उल्लेख संलग्न आरोप–पत्र में दिया गया है। अभिकथन जिस पर आरोप आधारित हैं, उसका विवरण संलग्न अभिकथन पत्र में दिया गया है। आरोप पत्र, अभिकथन पत्र की प्रति संलग्न है। एक प्रति कार्यालय के नोटिस बोर्ड़ पर चस्पा की गई है ।

2. आपसे इस सूचना के द्वारा यह अपेक्षा की जाती हैं कि आप इस पत्र के मिलने के 15 दिवस के अंदर अपना प्रतिवाद उत्तर अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजते हुए बतायें कि :–

(अ) क्या आप व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर चाहते हैं ?

(ब) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किसी गवाह आदि का नाम देना चाहते हैं तो उन गवाहों की सूची पूर्ण पते सहित भेजें।

(स) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किन्हीं अभिलेखों को प्रस्तुत करना चाहते हैं तो उन अभिलेखों की सूची विस्तृत जानकारी के साथ प्रस्तुत करें।

(द) यदि आप आरोप–पत्र आदि के साथ संलग्न अभिलेखों की सूची में दर्शित अभिलेखों को देखना चाहते हैं तो आप किसी भी कार्य दिवस में देखें। यह कार्य पत्र के प्राप्त होने के 10 दिवस के अंदर समाप्त कर दिया जाये ।

3. आपको यह भी सूचित किया जाता हैं कि यदि आपके बचाव पक्ष का लिखित प्रतिवाद उत्तर नियत समयावधि अर्थात् 15 दिवस में प्राप्त नहीं होता है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

संलग्न :– आरोप–पत्र, अभिकथन पत्र,
अभिलेखों की सूची ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

पृ. क्रमांक 1-19-81/17/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13.02.2018

प्रतिलिपिः–

(1) सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 के अनुपालन में प्रेषित कर अनुरोध है कि डॉ. मनीष भरथरे, चिकित्सा अधिकारी को उनके अंतिम पदस्थापना स्थल अथवा सेवा अभिलेख में उपलब्ध निवास के पते पर तामील करायें। यदि पत्र की व्यक्तिगत तामिली संभव न हो सके तो इसे अंतिम पदस्थापना स्थल या स्थाई निवास स्थल पर चस्पा कर तामिली करायें तथा तामिली प्रतिवेदन संलग्न पत्रक अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: आरोप–पत्र ::

डॉ. मनीष भरथरे, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) के अंतर्गत निम्न आरोप अधिरोपित किए जाते हैं :–

आरोप कमांक –1

यह कि आप डॉ. मनीष भरथरे, दिनांक 01.03.2016 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप कमांक –2

यह कि आप अपने पदस्थापना स्थल पर नियमित एवं निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते हैं।

आरोप कमांक –3

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं ।

इस प्रकार आप अपने पदीय दायित्वों का उचित प्रकार निर्वहन न कर मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा नियम 7 का उल्लंघन कर अपने कार्य के प्रति कर्तव्य परायण एवं संनिष्ठ नहीं रहते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बन गये हैं ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिकथन पत्र ::

डॉ. मनीष भरथरे, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) लगाए गए आरोपों के समर्थन में विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

आरोप कमांक 1 के लिये :–

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 अनुसार आप दिनांक 01.08.2016 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हो गये हैं। आपका यह कृत्य शासकीय सेवक के लिए निर्धारित आचरण के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता है।

आरोप कमांक 2 के लिये :–

आपकी पदस्थापना जिला चिकित्सालय, राजगढ में आम जनता को उचित सेवाऐं उपलब्ध कराने के लिये करते हुए आपसे यह अपेक्षा की गई थी कि आप अपने कर्तव्य स्थल पर नियमित एवं समय पर उपस्थित होकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे, परन्तु आप दिनांक 01.08.2016 से निरंतर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप कमांक 3 के लिये :–

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं।

इस प्रकार आपका उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा सहपठित नियम 7 के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता हैं। इस प्रकार आपने उक्त नियमों का पालन न कर अपने कार्य के प्रति संनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण न रहते हुए अपने आपको अनुशासनात्मक कार्यवाही का भागी बना लिया है।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: <u>अभिलेखों की सूची</u> ::

1. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

तामीली प्रतिवेदन

कार्यालय, सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से प्राप्त सूचना पत्र कमांक ..... दिनांक ..... जो लम्बी अवधि से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित डॉ. मनीष भरथरे, चिकित्सा अधिकारी को जारी किया गया है, की प्रति कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई ।

साक्षीगणः

1. ....

..... (कार्या. प्रभारी के हस्ता एवं नाम)

जिला .....

2. .....

तामीली प्रतिवेदन

जिला चिकित्सालय, राजगढ से लम्बी अवधि से अवैधानिक रूप से अनुपस्थित रहने बाबत् सूचना पत्र क्रमांक .....
..... दिनांक..... डॉ. मनीष भरथरे, चिकित्सा अधिकारी के अवासीय पते पर निम्न गवाहों के समक्ष तामील करवाया गया /मकान पर चस्पा किया गया ।

---

1. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

.....

(व्यक्तिगत तामीली की दशा में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर)

2. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

.....

(व्यक्तिगत तामीली करवाने वाले /चस्पा करने वाले के हस्ताक्षर)

3. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

4. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

5. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षरित

.....

(कार्या. प्रभारी के हस्ताक्षर)

मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
मंत्रालय–भोपाल

क्रमांक 1-14-22/18/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13.02.2018

प्रति,

डॉ. दीपक केवरे
चिकित्सा अधिकारी
जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.)

विषयः– कर्तव्य स्थल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी के विरूद्ध विभागीय जांच– डॉ. दीपक केवरे, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.) ।

–00–

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता हैं कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम–1966 के अन्तर्गत आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव है। जिसका उल्लेख संलग्न आरोप–पत्र में दिया गया है। अभिकथन जिस पर आरोप आधारित हैं, उसका विवरण संलग्न अभिकथन पत्र में दिया गया है। आरोप पत्र, अभिकथन पत्र की प्रति संलग्न है। एक प्रति कार्यालय के नोटिस बोर्ड़ पर चस्पा की गई है ।

2. आपसे इस सूचना के द्वारा यह अपेक्षा की जाती हैं कि आप इस पत्र के मिलने के 15 दिवस के अंदर अपना प्रतिवाद उत्तर अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजते हुए बतायें कि :–

(अ) क्या आप व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर चाहते हैं ?

(ब) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किसी गवाह आदि का नाम देना चाहते हैं तो उन गवाहों की सूची पूर्ण पते सहित भेजें।

(स) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किन्हीं अभिलेखों को प्रस्तुत करना चाहते हैं तो उन अभिलेखों की सूची विस्तृत जानकारी के साथ प्रस्तुत करें।

(द) यदि आप आरोप–पत्र आदि के साथ संलग्न अभिलेखों की सूची में दर्शित अभिलेखों को देखना चाहते हैं तो आप किसी भी कार्य दिवस में देखें। यह कार्य पत्र के प्राप्त होने के 10 दिवस के अंदर समाप्त कर दिया जाये ।

3. आपको यह भी सूचित किया जाता हैं कि यदि आपके बचाव पक्ष का लिखित प्रतिवाद उत्तर नियत समयावधि अर्थात् 15 दिवस में प्राप्त नहीं होता है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

संलग्न :– आरोप–पत्र, अभिकथन पत्र,
अभिलेखों की सूची ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

पृ. क्रमांक 1-19-22/17/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 17.02.2018

प्रतिलिपिः–

(1) सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 के अनुपालन में प्रेषित कर अनुरोध है कि डॉ. दीपक केवरे, चिकित्सा अधिकारी को उनके अंतिम पदस्थापना स्थल अथवा सेवा अभिलेख में उपलब्ध निवास के पते पर तामील करायें। यदि पत्र की व्यक्तिगत तामिली संभव न हो सके तो इसे अंतिम पदस्थापना स्थल या स्थाई निवास स्थल पर चस्पा कर तामिली करायें तथा तामिली प्रतिवेदन संलग्न पत्रक अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: आरोप–पत्र ::

डॉ. दीपक केवरे, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) के अंतर्गत निम्न आरोप अधिरोपित किए जाते हैं :–

आरोप कमांक –1

यह कि आप डॉ. दीपक केवरे, दिनांक 10.08.2015 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप कमांक –2

यह कि आप अपने पदस्थापना स्थल पर नियमित एवं निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते हैं।

आरोप कमांक –3

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं ।

इस प्रकार आप अपने पदीय दायित्वों का उचित प्रकार निर्वहन न कर मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा नियम 7 का उल्लंघन कर अपने कार्य के प्रति कर्तव्य परायण एवं संनिष्ठ नहीं रहते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बन गये हैं ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिकथन पत्र ::

डॉ. दीपक केवरे, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) लगाए गए आरोपों के समर्थन में विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

आरोप कमांक 1 के लिये :–

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 अनुसार आप दिनांक 10.08.2015 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हो गये हैं। आपका यह कृत्य शासकीय सेवक के लिए निर्धारित आचरण के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता है।

आरोप कमांक 2 के लिये :–

आपकी पदस्थापना जिला चिकित्सालय, राजगढ में आम जनता को उचित सेवाऐं उपलब्ध कराने के लिये करते हुए आपसे यह अपेक्षा की गई थी कि आप अपने कर्तव्य स्थल पर नियमित एवं समय पर उपस्थित होकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे, परन्तु आप दिनांक 10.08.2015 से निरंतर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप कमांक 3 के लिये :–

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं।

इस प्रकार आपका उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा सहपठित नियम 7 के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता हैं। इस प्रकार आपने उक्त नियमों का पालन न कर अपने कार्य के प्रति संनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण न रहते हुए अपने आपको अनुशासनात्मक कार्यवाही का भागी बना लिया है।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: <u>अभिलेखों की सूची</u> ::

1. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

तामीली प्रतिवेदन

कार्यालय, सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से प्राप्त सूचना पत्र कमांक .... दिनांक .... जो लम्बी अवधि से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित डॉ. दीपक केवरे, चिकित्सा अधिकारी को जारी किया गया है, की प्रति कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई ।

साक्षीगणः

1. ....

....

(कार्या. प्रभारी के हस्ता एवं नाम)

जिला ....

2. ....

तामीली प्रतिवेदन

जिला चिकित्सालय, राजगढ से लम्बी अवधि से अवैधानिक रूप से अनुपस्थित रहने बाबत् सूचना पत्र क्रमांक .... दिनांक..... डॉ. दीपक केवरे, चिकित्सा अधिकारी के अवासीय पते पर निम्न गवाहों के समक्ष तामील करवाया गया /मकान पर चस्पा किया गया ।

---

1. ....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर (व्यक्तिगत तामीली की दशा में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर)

2. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर .....

(व्यक्तिगत तामीली करवाने वाले /चस्पा करने वाले के हस्ताक्षर)

3. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

4. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

5. .....

गवाह का नाम व हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षरित

.....

(कार्या. प्रभारी के हस्ताक्षर)

मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
मंत्रालय–भोपाल

क्रमांक-1-19-23/19/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13 .02.2018

प्रति,

डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव
चिकित्सा अधिकारी
जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.)

विषयः– कर्तव्य स्थल से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी के विरूद्ध विभागीय जांच– डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ (म.प्र.) ।

–00–

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता हैं कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम–1966 के अन्तर्गत आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव है। जिसका उल्लेख संलग्न आरोप–पत्र में दिया गया है। अभिकथन जिस पर आरोप आधारित हैं, उसका विवरण संलग्न अभिकथन पत्र में दिया गया है। आरोप पत्र, अभिकथन पत्र की प्रति संलग्न है। एक प्रति कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है ।

2. आपसे इस सूचना के द्वारा यह अपेक्षा की जाती हैं कि आप इस पत्र के मिलने के 15 दिवस के अंदर अपना प्रतिवाद उत्तर अधोहस्ताक्षरकर्ता को भेजते हुए बतायें कि :–

(अ) क्या आप व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर चाहते हैं ?

(ब) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किसी गवाह आदि का नाम देना चाहते हैं तो उन गवाहों की सूची पूर्ण पते सहित भेजें।

(स) यदि आप अपने बचाव पक्ष में किन्हीं अभिलेखों को प्रस्तुत करना चाहते हैं तो उन अभिलेखों की सूची विस्तृत जानकारी के साथ प्रस्तुत करें।

(द) यदि आप आरोप–पत्र आदि के साथ संलग्न अभिलेखों की सूची में दर्शित अभिलेखों को देखना चाहते हैं तो आप किसी भी कार्य दिवस में देखें। यह कार्य पत्र के प्राप्त होने के 10 दिवस के अंदर समाप्त कर दिया जाये ।

3. आपको यह भी सूचित किया जाता हैं किं यदि आपके बचाव पक्ष का लिखित प्रतिवाद उत्तर नियत समयावधि अर्थात् 15 दिवस में प्राप्त नहीं होता है तो आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

संलग्न :– आरोप–पत्र, अभिकथन पत्र,
अभिलेखों की सूची ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

पृ. क्रमांक 1-19-23/13/मेडि–1/2018/ भोपाल, दिनांक 13.02.2018

प्रतिलिपिः–

(1) सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 के अनुपालन में प्रेषित कर अनुरोध है कि डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव, चिकित्सा अधिकारी को उनके अंतिम पदस्थापना स्थल अथवा सेवा अभिलेख में उपलब्ध निवास के पते पर तामील करायें। यदि पत्र की व्यक्तिगत तामिली संभव न हो सके तो इसे अंतिम पदस्थापना स्थल या स्थाई निवास स्थल पर चस्पा कर तामिली करायें तथा तामिली प्रतिवेदन संलग्न पत्रक अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

सचिव,
मध्यप्रदेश शासन,
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: आरोप–पत्र ::

डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) के अंतर्गत निम्न आरोप अधिरोपित किए जाते हैं :–

आरोप कमांक –1

यह कि आप डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव, दिनांक 28.10.2016 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप कमांक –2

यह कि आप अपने पदस्थापना स्थल पर नियमित एवं निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होते हैं।

आरोप कमांक –3

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं ।

इस प्रकार आप अपने पदीय दायित्वों का उचित प्रकार निर्वहन न कर मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा नियम 7 का उल्लंघन कर अपने कार्य के प्रति कर्तव्य परायण एवं संनिष्ठ नहीं रहते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही के भागी बन गये हैं ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिकथन पत्र ::

डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, राजगढ के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 (3) लगाए गए आरोपों के समर्थन में विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

आरोप क्रमांक 1 के लिये :–

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 अनुसार आप दिनांक 28.10.2016 से निरंतर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित हो गये हैं। आपका यह कृत्य शासकीय सेवक के लिए निर्धारित आचरण के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता है।

आरोप क्रमांक 2 के लिये :–

आपकी पदस्थापना जिला चिकित्सालय, राजगढ में आम जनता को उचित सेवाऐं उपलब्ध कराने के लिये करते हुए आपसे यह अपेक्षा की गई थी कि आप अपने कर्तव्य स्थल पर नियमित एवं समय पर उपस्थित होकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे, परन्तु आप दिनांक 28.10.2016 से निरंतर अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये।

आरोप क्रमांक 3 के लिये :–

यह कि आप अपने नियत मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं।

इस प्रकार आपका उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 उपनियम (1) (i),(ii),(iii) तथा सहपठित नियम 7 के अनुरूप न होकर दुराचरण की श्रेणी में आता हैं। इस प्रकार आपने उक्त नियमों का पालन न कर अपने कार्य के प्रति संनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण न रहते हुए अपने आपको अनुशासनात्मक कार्यवाही का भागी बना लिया है।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

:: अभिलेखों की सूची ::

1. सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ की ओर उनके पत्र क्रमांक/स्था./2018/557, दिनांक 07.02.2018 ।

(कवीन्द्र कियावत)
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

तामीली प्रतिवेदन

कार्यालय, सचिव, मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से प्राप्त सूचना पत्र क्रमांक .... दिनांक .... जो लम्बी अवधि से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव, चिकित्सा अधिकारी को जारी किया गया है, की प्रति कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला राजगढ के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई ।

साक्षीगण:

1. ....

.... (कार्या. प्रभारी के हस्ता एवं नाम)

जिला ....

2. ....

तामीली प्रतिवेदन

जिला चिकित्सालय, राजगढ से लम्बी अवधि से अवैधानिक रूप से अनुपस्थित रहने बाबत् सूचना पत्र क्रमांक .... दिनांक..... डॉ. कार्तिक कुमार नामदेव, चिकित्सा अधिकारी के अवासीय पते पर निम्न गवाहों के समक्ष तामील करवाया गया /मकान पर चस्पा किया गया ।

---

1. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

   .....
   (व्यक्तिगत तामीली की दशा में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर)

2. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

   .....
   (व्यक्तिगत तामीली करवाने वाले /चस्पा करने वाले के हस्ताक्षर)

3. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

4. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

5. .....
   गवाह का नाम व हस्ताक्षर

प्रतिहस्ताक्षरित

.....

(कार्या. प्रभारी के हस्ताक्षर)